हिंदी काव्य साहित्य का विकास

1. विनय पत्रिका (ब्रजभाषा) के रचयिता हैं – *तुलसीदास*
2. पृथ्वीराज रासो में किस रस की प्रधानता है –*वीर रस की*
3. भक्ति काल का समय आचार्य शुक्ल के अनुसार है – *संवत १३७५ से १७०० तक*
4. रामचंद्रिका किसकी रचना है – *केशव की*
5. कामायनी में श्रद्धा सर्ग किस सर्ग के बाद आता है –*आशा सर्ग के बाद*
6. संसद से सड़क तक किस कवि की रचना है– *सुदामा पांडेय धूमिल की*
7. रसकलश किसकी रचना है– *अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध की*
8. हरी घास पर क्षण भर के रचयिता हैं– *सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय*
9. नदी के द्वीप के रचनाकार हैं *सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय की*
10. भक्ति काल का काव्य नहीं है –*पृथ्वीराज रासो*
11. पल्लव के रचनाकार हैं– *सुमित्रानंदन पंत*
12. सूकरखेत नामक स्थान किस से संबंधित है–*तुलसीदास से ।*
13. हिमालय किसकी काव्य कृति है–*महादेवी वर्मा की*
14. सिद्धराज के रचयिता *मैथिलीशरण गुप्त हैं।*
15. रीतिकालीन महाकाव्यात्मक कृति है –*रामचंद्रिका (छंदों का अजायबघर भी कहा जाता है)*
16. केशव को *कठिन काव्य का प्रेत* कहा जाता है।
17. तार सप्तक का प्रकाशन वर्ष है –*१९४३ ई.*
18. प्रयोगवादी कवि कौन है– *सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय*
19. नई कविता काव्य संकलन के संपादक थे– *डॉ० जगदीश गुप्त और रामस्वरूप चतुर्वेदी*
20. प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई –*१९३६ में (इसका प्रथम अधिवेशन लखनऊ में हुआ था, अध्यक्ष मुंशी प्रेमचंद जी थे।)*
21. प्रकृति के सुकुमार कवि एवं प्रकृति के चतुर चितेरे कवि कहलाते हैं– *सुमित्रानंदन पंत*
22. भारतेंदु युग की रचना है– *प्रेम माधुरी*
23. कामायनी किस युग की रचना है– *छायावादी युग की*
24. रीतिकाल की प्रमुख विशेषता है– *मुक्तक काव्य रचना व श्रृंगारिक भावना*
25. कौन-सा ग्रंथ रासो परंपरा का श्रेष्ठ महाकाव्य है– *पृथ्वीराज रासो*
26. बिहारी लाल किस युग के कवि हैं– *रीतिकाल के*
27. कबीर के दोहों को किस नाम से जाना जाता है– *साखी*
28. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध द्वारा लिखित महाकाव्यात्मक रचनाए है – *वैदेही वनवास, प्रिय प्रवास*
29. नवधा भक्ति के कितने प्रकार होते हैं – *नौ प्रकार*
30. साकेत की नायिका का नाम क्या है– *उर्मिला (नायक लक्ष्मण हैं)*
31. दिनकर को उनकी किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था– *उर्वशी पर।*
32. वीरगाथा कालीन कवि हैं –*चंद्रवरदाई*
33. मैथिलीशरण गुप्त की काव्य कृति है– *सिद्धराज*
34. अनामिका के रचनाकार हैं– *सूर्यकांत त्रिपाठी निराला*
35. विनय पत्रिका किस काल का ग्रंथ है –*भक्ति काल का*
36. हिंदी साहित्य का इतिहास लिखने वाले सर्वप्रथम विद्वान हैं– *गार्सा द तासी*
37. मलिक मोहम्मद जायसी किस धारा के कवि हैं – *सूफी काव्य धारा के*
38. नौका विहार कविता किस कृति से अवतरित है – *गुंजन से*
39. दूसरा सप्तक(१९५१) के कवि हैं – *रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, भवानी प्रसाद मिश्र, हरिनारायण व्यास, नरेश मेहता, शकुंतला माथुर*
40. छायावाद का समय कब से कब तक माना जाता है –*सन १९१९ से १९३८ ई तक*
41. झरना के रचयिता है –*जयशंकर प्रसाद*
42. प्रियप्रवास महाकाव्य के रचयिता हैं –*अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध*
43. हिंदी साहित्य में किस काल को श्रृंगार काल कहा जाता है– *रीतिकाल को*
44. ज्ञानाश्रयी भक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि हैं –*कबीर दास*
45. मैथिलीशरण गुप्त की महाकाव्यात्मक कृति है –*साकेत (द्विवेदी युग)*
46. कबीर दास प्रमुख कवि हैं– *निर्गुण काव्य धारा के*
47. रीतिबद्ध काव्य धारा के कवि हैं– *केशव*
48. रीतिकालीन कवि हैं –*मतिराम*
49. उर्वशी के रचनाकार है –*रामधारी सिंह दिनकर*
50. आदिकाल के रचनाकार है– *नरपति नाल्ह, चंदबरदाई, अमीर खुसरो*
51. नई कविता के कवि हैं –*नरेंद्र शर्मा*
52. छायावाद की मुख्य विशेषता है –*प्रकृति का सूक्ष्म चित्रण, स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह, रहस्यवाद की प्रधानता।*

www.gyansindhuclasses.in

53. आदिकाल की रचना है - *खुमाण रासो, पृथ्वीराज रासो, बीसलदेव रासो*
54. रीतिकालीन रचना है - *बिहारी सतसई*
55. बिहारी लाल ने प्रमुख रूप से किस छंद में रचना की है- *दोहा छंद में*
56. बिहारी सतसई में कितने छंद हैं- *७१६ (७१३ दोहे, ६ सोरठा मिलाकर छंदों की संख्या ७१६)*
57. प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं - *गिरिजा कुमार माथुर*
58. नौका विहार कविता का संबंध किस नदी से है -*गंगा से*
59. नई कविता का प्रारंभ माना जाता है -*१६५१ ई. से (कुछ विद्वानों के अनुसार- जगदीश गुप्त, रामस्वरुप चतुर्वेदी और विजयदेव नारायण साही के संपादन में १६५४ में प्रकाशित नयी कविता (पत्रिका) से माना जाता है।)*
60. गोस्वामी तुलसीदास जी के बचपन का नाम क्या था- *रामबोला*
61. मैथिलीशरण गुप्त का प्रथम काव्य संग्रह है -*भारत भारती*
62. भिखारी दास कि काल के कवि हैं -*रीतिकाल के*
63. प्रगतिवादी कवि हैं -*नागार्जुन, केदारनाथ सिंह, केदारनाथ अग्रवाल।*
64. उद्धव शतक किसकी रचना है -*जगन्नाथ दास रत्नाकर की*
65. तार सप्तक के प्रवर्तक अथवा संपादक कौन हैं -*सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय*
66. प्रयोगवाद के प्रवर्तक कौन हैं -*सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय*
67. आधुनिक युग की मीरा है -*महादेवी वर्मा।*
68. छायावादोत्तर काल के कवि हैं -*शिवमंगल सिंह सुमन*
69. नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना की थी- *श्यामसुंदर दास ने*
70. निम्नलिखित में से मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएँ हैं- *सिद्धराज, अनघ, प्रदक्षिणा।*
71. रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं -*घनानंद, बोधा, आलम।*
72. रुनकता नामक स्थान पर किसका जन्म हुआ था -*सूरदास का*
73. रीतिकाल का अन्य नाम क्या है- *श्रृंगार काल*
74. कवि पंत समाजवाद की ओर उन्मुख हुए - *ग्राम्या में।*
75. नीहार, रश्मि, नीरजा, एवं सांध्यगीत कृतियां किसकी हैं- *महादेवी वर्मा की*
76. कामायनी महाकाव्य में सर्गों की संख्या कितनी है -15
77. साकेत महाकाव्य में सर्गों की संख्या कितनी है -12
78. संत काव्यधारा के कवि हैं -*कबीर, रैदास, दादूदयाल*
79. हिंदी साहित्य के आदिकाल की रचनाएं हैं -*परमाल रासो, विद्यापति पदावली।*
80. प्रसाद का काव्य प्रवृत्ति निवृत्ति मिश्रित है -*कामायनी में*
81. प्रसाद की कौन सी कृति के नायक मनु हैं , नायिका श्रद्धा है- *कामायनी*
82. प्रेमाश्रयी सूफी काव्य धारा का संबंध किससे है -*निर्गुण भक्ति से*
83. पद्मावत किस काल की रचना है- *भक्तिकाल की*
84. सरोज स्मृति(शोकगीत) के रचयिता कौन हैं- *सूर्यकांत त्रिपाठी निराला।*
85. बासुआ गोविंदपुर में किसका जन्म हुआ था- *बिहारी लाल का*
86. तुलसीदास की १२ प्रमाणिक रचनाएं- *कृष्ण गीतावली, गीतावली, रामचरितमानस, रामाज्ञा प्रश्नावली, दोहावली, विनय पत्रिका, रामलला नहछू, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, कवितावली, वैराग्य संदीपनी, बरवै रामायण।*
87. चांद का मुंह टेढ़ा है' कृति के रचयिता *हैं -गजानन माधव मुक्तिबोध*
88. राम भक्ति शाखा के कवि हैं- *तुलसीदास, अग्रदास, नाभादास*
89. आल्हा खंड का दूसरा नाम है -*परमाल रासो रचयिता- जगनिक*
90. कविकुलकल्पतरु के रचयिता है -*चिंतामणि*
91. संधिनी गीत संग्रह किसका है -म*हादेवी वर्मा का*
92. कृष्ण भक्ति शाखा अथवा अष्टछाप के कवि हैं - *सूरदास, कुंभनदास, परमानंददास, कृष्णदास, छीतस्वामी, गोविंददास, चतुर्भुजदास, नन्ददास।*
93. द्विवेदी युग और छायावादी युग दोनों युगों में लेखन कार्य करने वाले लेखक हैं- *गुलाबराय व जयशंकर प्रसाद।*
94. हरिऔध का प्रिय प्रवास है- *विप्रलंभ श्रृंगार पर आधारित महाकाव्य*
95. पवन दूतिका में किस रस की प्रधानता है - विप्रलंभ श्रृंगार अर्थात वियोग श्रृंगार की
96. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय किस सप्तक में संग्रहीत हैं -*तार सप्तक में*
97. छायावाद की प्रमुख विशेषता है- *रूढ़ि के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह।*
98. किस महाकाव्यात्मक कृति में १२ सर्ग हैं - *साकेत में*
99. भारत भारती के रचनाकार- *मैथिलीशरण गुप्त*
100. चिदंबरा के रचनाकार- *सुमित्रानंदन पंत*
101. हिंदी साहित्य के आदिकाल के लिए बीजवपन काल नाम दिया है- *महावीर प्रसाद द्विवेदी ने ।*
102. खालिकबारी की रचना करने वाले हैं -*अमीर खुसरो*

www.gyansindhuclasses.in

103. पहेलियां, मुकरियां, खालिकबारी, दो सुखने, गजल आदि के रचयिता - *अमीर खुसरो हैं*
104. भवानी प्रसाद मिश्र कवि के रूप में किस सप्तक में संग्रहीत हैं *-दूसरा सप्तक में*
105. अष्टछाप के कवियों का संबंध भक्ति काल की किस शाखा से है *-कृष्ण भक्ति शाखा से*
106. रामचंद्र शुक्ल ने जिस काल को रीतिकाल कहा है, उसे श्रृंगार काल किसने कहा है- *विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने*
107. श्रृंगार और वात्सल्य रस के अमर कवि हैं- सूरदास
108. गंगावतरण के रचयिता *-जगन्नाथ दास रत्नाकर*
109. भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार सुमित्रानंदन पंत को किस कृति पर मिला था *-चिदंबरा पर*
110. छायावाद के प्रवर्तक एवं ब्रह्मा माने जाते हैं *-जयशंकर प्रसाद*
111. किसको ज्ञानपीठ पुरस्कार नहीं मिला *जयशंकर प्रसाद को ।*
112. किन प्रसिद्ध कवियों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला *-महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानंदन पंत, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय को।*
113. कविता वर्धिनी सभा के संस्थापक थे - भारतेंदु हरिश्चंद्र
114. सुनहरे शैवाल किसकी रचना है *-अज्ञेय की*
115. रश्मिरथी, परशुराम की प्रतीक्षा, चक्रवाल किसकी रचनाएं हैं - *रामधारी सिंह दिनकर की*
116. अज्ञेय को उनकी किस कृति पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला- *कितनी नावों में कितनी बार पर।*
117. सूरसागर के वर्ण्य विषय का आधार है- *श्रीमद् भागवत का दशम स्कंध*
118. सुमित्रानंदन पंत को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था - *कला और बूढ़ा चांद पर*
119. परशुराम की प्रतीक्षा के रचनाकार- *रामधारी सिंह दिनकर हैं।*
120. मैथिलीशरण गुप्त की किस रचना में राष्ट्रप्रेम की भावना परिलक्षित होती है- *भारत भारती में*
121. आदिकाल को वीरगाथा काल किसने कहा *-आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने*
122. आदिकाल को आदिकाल किसने कहा- *हजारी प्रसाद द्विवेदी ने*
123. भक्ति आंदोलन का श्रेय जाता है- *रामानुजाचार्य को*
124. प्रयोगवाद को नई कविता की संज्ञा दी- *अज्ञेय ने*
125. चिंतामणि कवि किस वर्ग के हैं - *रीतिबद्ध वर्ग के*
126. रसवंती किसकी रचना है - *रामधारी सिंह दिनकर की*
127. वीणा, पल्लव, ग्रंथि लोकायतन किसकी रचनाएं हैं *-सुमित्रानंदन पंत की।*
128. कविता में कविता में चार चांद लगाने वाली शब्द शक्ति है *-व्यंजना*
129. दोहाकोश के रचयिता- *सरहपा है।*
130. हरिवंश पुराण के रचयिता - *स्वयंभू हैं।*
131. विद्यापति के पदों में कहीं-कहीं पुट है- *भक्ति का।*
132. हिंदी साहित्य के लिए आदिकाल के लिए चारण काल नाम किसने दिया- *डॉ० रामकुमार वर्मा ने*
133. कीर्ति लता, कीर्ति पताका आदि रचनाएं किसकी हैं - *विद्यापति की।*
134. हिंदी साहित्य के हजार वर्षों में कबीर जैसा व्यक्तित्व लेकर कोई लेखक उत्पन्न नहीं हुआ। यह कथन किसका है- *हजारी प्रसाद द्विवेदी का।*
135. पद्मावत किस भाषा में लिखा गया महाकाव्य है - *अवधी भाषा (लेखक मलिक मोहम्मद जायसी)*
136. भाषा पर कबीर का जबरदस्त अधिकार था, वे वाणी के डिक्टेटर थे । यह कथन किस लेखक का है *-हजारी प्रसाद द्विवेदी का।*
137. वह इस असार संसार को न देखने के वास्ते आंखें बंद किए थे। सूरदास के संदर्भ में यह कथन किसका है- *भारतेंदु हरिश्चंद्र का।*
138. पपीहों की वह पीन पुकार -किसकी पंक्ति है *-सुमित्रानंदन पंत की*
139. रसिकप्रिया, कविप्रिया, वीर सिंह देव चरित्र आदि किसकी रचनाएं हैं *-केशव की*
140. रसमंजरी किसकी रचना है- *नंददास की*
141. पद्मावत, कामायनी, साकेत आदि हैं *-महाकाव्य*
142. जयशंकर प्रसाद के काव्य की सिद्धावस्था है *-कामायनी*
143. हारे को हरिनाम -काव्य ग्रंथ के रचनाकार कौन हैं *-रामधारी सिंह दिनकर*
144. हरी घास पर क्षण भर, चिंता , इत्यलम आदि किसकी रचनाएं हैं *-अज्ञेय की*
145. छायावादोत्तर काल के कवि हैं *-अज्ञेय*
146. जयशंकर प्रसाद द्वारा ब्रजभाषा में रचित काव्य संग्रह है *-चित्राधार*
147. वैदेही वनवास काव्य कृति है *-खंडकाव्य*
148. ग्रंथि काव्य संग्रह के रचयिता है *-सुमित्रानंदन पंत*
149. आंगन के पार द्वार रचना किसकी है *-अज्ञेय की*
150. लहर के रचयिता हैं *-जयशंकर प्रसाद*
151. नई कविता के कवि हैं *-सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय*
152. किस काल को पूर्व मध्यकाल कहा जाता है *-भक्ति काल को*
153. प्रगतिवाद का मुख्य आधार है- *साम्यवाद*
154. हरिऔध जी की कृतियां है *-प्रियप्रवास, चोखे चौपदे, चुभते चौपदे, वैदेही वनवास, पद्य प्रसून*
155. द्विवेदी युग की समय सीमा मानी जाती है *-सन 1900 से 1922 ई तक*

www.gyansindhuclasses.in

156. आदिकाल का एक अन्य नाम है -सिद्ध सामंतकाल
157. सूफी काव्य धारा के प्रतिनिधि कवि- *मलिक मोहम्मद जायसी।*
158. मैथिली शरण गुप्त किस युग के कवि हैं- *द्विवेदी युग*
159. भारतेंदु द्वारा प्रकाशित/ संपादित पत्रिकाएं हैं -*हरिश्चंद्र चंद्रिका (हरिश्चंद्र मैगजीन), कवि वचन सुधा, बालबोधिनी(स्त्रियों को समर्पित)*
160. राम की शक्ति पूजा कविता के रचयिता हैं -*सूर्यकांत त्रिपाठी निराला*
161. अनामिका, परिमल, गीतिका और तुलसीदास आदि किसकी काव्य कृतियां *हैं- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की*
162. कामायनी के प्रथम सर्ग का नाम क्या है- *चिंता*
163. विनय पत्रिका किस काल की रचना है- *भक्ति काल की*
164. छायावाद की विशेषता है - *सौंदर्य एवं प्रेम*
165. निम्न में से कौन सा एक चंपू काव्य है- *यशोधरा*
166. पारिजात किसकी कृति है, जिसमें गीतों का संकलन है- *अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध*
167. पंत को किस कृति पर सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार प्राप्त हुआ था -*लोकायतन पर*
168. मुकुटधर पांडेय किस युग के कवि हैं- *छायावाद के*
169. रश्मिरथी किस कोटि की रचना है -*खंडकाव्य*
170. बादल को घिरते देखा है -किसकी रचना है -*नागार्जुन की*
171. रामधारी सिंह दिनकर प्रमुख कवि हैं -*प्रगतिवादी काव्यधारा के*
172. मास्को अभी दूर है के रचयिता है -*शिवमंगल सिंह सुमन*
173. प्रगतिवाद के सशक्त कवि हैं -*नागार्जुन*
174. मैथिलीशरण गुप्त की काव्य कृति है-*त्रिपथगा*
175. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की रचना है -*चांद का मुंह टेढ़ा है*
176. हरिऔध का पूरा नाम -*अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध*
177. प्रगतिवादी काव्यधारा के कवि है - *केदारनाथ अग्रवाल*
178. उर्मिला का विरह वर्णन साकेत के किस सर्ग में है -*नवम् सर्ग में*
179. परिवर्तन किसकी कविता का नाम है- *सुमित्रानंदन पंत की*
180. अज्ञेय को उनकी किस काव्य कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला -*कितनी नावों में कितनी बार।*
181. रसखान किस काव्यधारा के कवि हैं - *कृष्ण काव्य धारा के*
182. सूरसागर, सूरसारावली, साहित्यलहरी के रचनाकार - *सूरदास हैं*
183. शिवाबवानी, छत्रसाल दशक, शिवा शौर्य आदि भूषण की रचनाओं में रस है - *वीर रस*
184. द्विजदेव कवि हैं - *रीतिमुक्त*
185. अलंकार रत्नाकर ग्रन्थ किसका है- *दलपतिराय वंशीधर*
186. साहित्य सुधानिधि के संपादक हैं - *जगन्नाथ दास रत्नाकर*
187. प्रथम राष्ट्रकवि हैं - *मैथिलीशरण गुप्त*
188. द्वितीय राष्ट्रकवि हैं - *रामधारी सिंह दिनकर*
189. हरिऔध किस युग के कवि हैं - *द्विवेदी युग के*
190. कामायनी व झरना किस युग की रचनाएं हैं- *छायावादी युग*
191. पंत जी के उसे काव्य का नाम लिखिए, जिसमें उनकी सांस्कृतिक एवं दार्शनिक विचारधारा व्यक्त हुई है -*लोकायतन*
192. छायावाद काल का काल निर्धारण कीजिए - *सन 1919 से 1938 ई तक*
193. हिमालय निम्न में से किसकी काव्य कृति है - *महादेवी वर्मा की*
194. आंसू काव्य में प्रधानता है - *करुण रस की*
195. तोड़ती पत्थर रचना किसकी है - *सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की*
196. पंत की प्रगतिवादी रचना मानी जाती है -*युगांत*
197. छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है यह कथन किसका है - *डॉ० नगेंद्र का*
198. रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित ग्रंथ है - *हुँकार*
199. धर्म के प्रति अनास्था शोषक वर्ग के प्रति घृणा प्रमुख विशेषता है - *प्रगतिवादी युग की*
200. महाभारत के शांति पर्व के कथानक पर आधारित दिनकर की काव्य कृति है - *कुरुक्षेत्र*
201. दिनकर को ज्ञानपीठ पुरस्कार कब मिला - *1972 ई० में*
202. वैदेही वनवास के रचयिता है- *अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध*
203. नई कविता के प्रवर्तक महत्वपूर्ण कवि हैं- *डॉ० जगदीश गुप्त*
204. जयचंद प्रकाश किसकी रचना है -*भट्ट केदार की*
205. अनामदास का पोथा उपन्यास के रचनाकार हैं -*हजारी प्रसाद द्विवेदी*
206. भारतेंदुयुगीन लेखक हैं -*पंडित प्रताप नारायण मिश्र*
207. छायावाद युगीन गद्य का समय माना जाता है- *१९१९ से लेकर के १९३८ तक*

www.gyansindhuclasses.in

208. नीरजा के रचनाकार हैं- *महादेवी वर्मा*
209. अनघ के रचनाकार हैं -*मैथिली शरण गुप्त*
210. गुंजन के रचनाकार हैं -*सुमित्रानंदन पंत*
211. झरना के रचनाकार हैं -*जयशंकर प्रसाद*
212. सामधेनी काव्य के रचयिता है -*रामधारी सिंह दिनकर*
213. श्रृंगार लहरी के रचयिता हैं - *जगन्नाथ दास रत्नाकर*
214. निम्न में से नाटक हैं -*राजमुकुट, गरुड़ध्वज, आन का मान*
215. कादंबिनी पत्रिका किस युग से संबंधित है छायावादोत्तर युग से संपादक- *राजेंद्र अवस्थी*
216. कहानी विधा की रचना है - *अपना अपना भाग्य (लेखक -जैनेंद्र कुमार)*
217. यशोधरा चंपू काव्य के रचयिता है- *मैथिलीशरण गुप्त*
218. सामान्य रूप से प्रगतिवादी काव्य की समय सीमा मानी जाती है *-1936 से 1943 ई तक*
219. कश्मीर सुषमा के रचयिता है -*श्रीधर पाठक*
220. प्रयोगवाद की समय सीमा मानी जाती है - *सन् 1943 ई से 1953 ई तक*
221. निर्गुण काव्यधारा की प्रवृत्ति है -*रूढ़ियों एवं बाह्य आडंबरों का विरोध*
222. रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस में रचना की है -*भूषण ने*
223. समकालीन कविता के प्रमुख कवि हैं -*मुक्तिबोध*
224. अज्ञेय द्वारा कितने सप्तकों का संपादन किया गया- *४*

www.gyansindhuclasses.in